



Daily

CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान / **10 February**



Quote of the Day



कामयाब होने के लिए **अकेले** ही
आगे बढ़ना पड़ता है
लोग तो **पीछे** तब आते हैं
जब आप **कामयाब** होने लगते हैं!



BIMSTEC युवा शिखर सम्मेलन 2025

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 2**





बिस्स्टेक युवा शिखर सम्मेलन 2025

- ▶ आयोजन: युवा मामलों के विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
- ▶ तिथि एवं स्थान: 7 से 11 फरवरी 2025, गांधीनगर, गुजरात
- ▶ उद्घाटन: केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा 8 फरवरी 2025 को





पृष्ठभूमि

- ▶ चौथे बिस्मटेक शिखर सम्मेलन (30-31 अगस्त 2018, काठमांडू) में भारत के प्रधानमंत्री ने तीन दिवसीय बिस्मटेक युवा शिखर सम्मेलन की घोषणा की थी।
- ▶ उद्देश्य: बिस्मटेक देशों के युवाओं को एकीकृत मंच प्रदान करना, युवा-नेतृत्व वाली पहलों पर अनुभव साझा करना।



मुख्य उद्देश्य

- ▶ सदस्य देशों के युवाओं के बीच अनुभव एवं विचारों का आदान-प्रदान।
- ▶ "बिस्मटेक के भीतर आदान-प्रदान के लिए युवा एक सेतु के रूप में" विषय पर केंद्रित।
- ▶ सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को 2030 तक प्राप्त करने की दिशा में युवा ऊर्जा का उपयोग।



प्रतिभागिता

- ▶ बिस्मटेक देशों से 70 युवा प्रतिनिधि शामिल होंगे।
- ▶ प्रत्येक देश से 10 युवा प्रतिनिधि, उनकी विशेषज्ञता के आधार पर चयनित।



प्रमुख उद्देश्यों पर ध्यान

- ▶ वैश्विक चुनौतियों और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों के समाधान में युवाओं की भागीदारी।
- ▶ रचनात्मक दृष्टिकोण और रणनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श।
- ▶ नवाचार और सतत विकास हेतु नए समाधान उत्पन्न करना।



महत्वपूर्ण सत्र

"विकसित भारत युवा नेता संवाद X बिस्सटेक":]

- ▶ युवा नेताओं को अपने देशों की प्रमुख युवा पहलों को साझा करने का मंच।

"मेरा युवा भारत (MY Bharat)":

- ▶ प्रधानमंत्री द्वारा घोषित पहल, जिसका उद्देश्य युवाओं को समान अवसर प्रदान करना और 2047 तक अमृत भारत के निर्माण में योगदान देना।
- ▶ भारत सरकार द्वारा युवा सशक्तिकरण में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा।



शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण

- ▶ महात्मा गांधी से जुड़े स्थल: दांडी कुटीर संग्रहालय, साबरमती आश्रम।
आधुनिक स्थल:
- ▶ साबरमती रिवरफ्रंट
- ▶ गिफ्ट सिटी (GIFT City): भारत की पहली स्मार्ट सिटी और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र।
- ▶ वैश्विक वित्तीय सेवाओं और प्रौद्योगिकी नवाचारों का अनुभव।

बिस्मटेक (BIMSTEC)

एक परिचय



बिम्सटेक (BIMSTEC)

- बिम्सटेक (BIMSTEC) का पूरा नाम बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) है। यह बंगाल की खाड़ी से लगे देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है।



बिमस्टेक (BIMSTEC)

सदस्य देश



Bangladesh



India



Myanmar



Sri Lanka



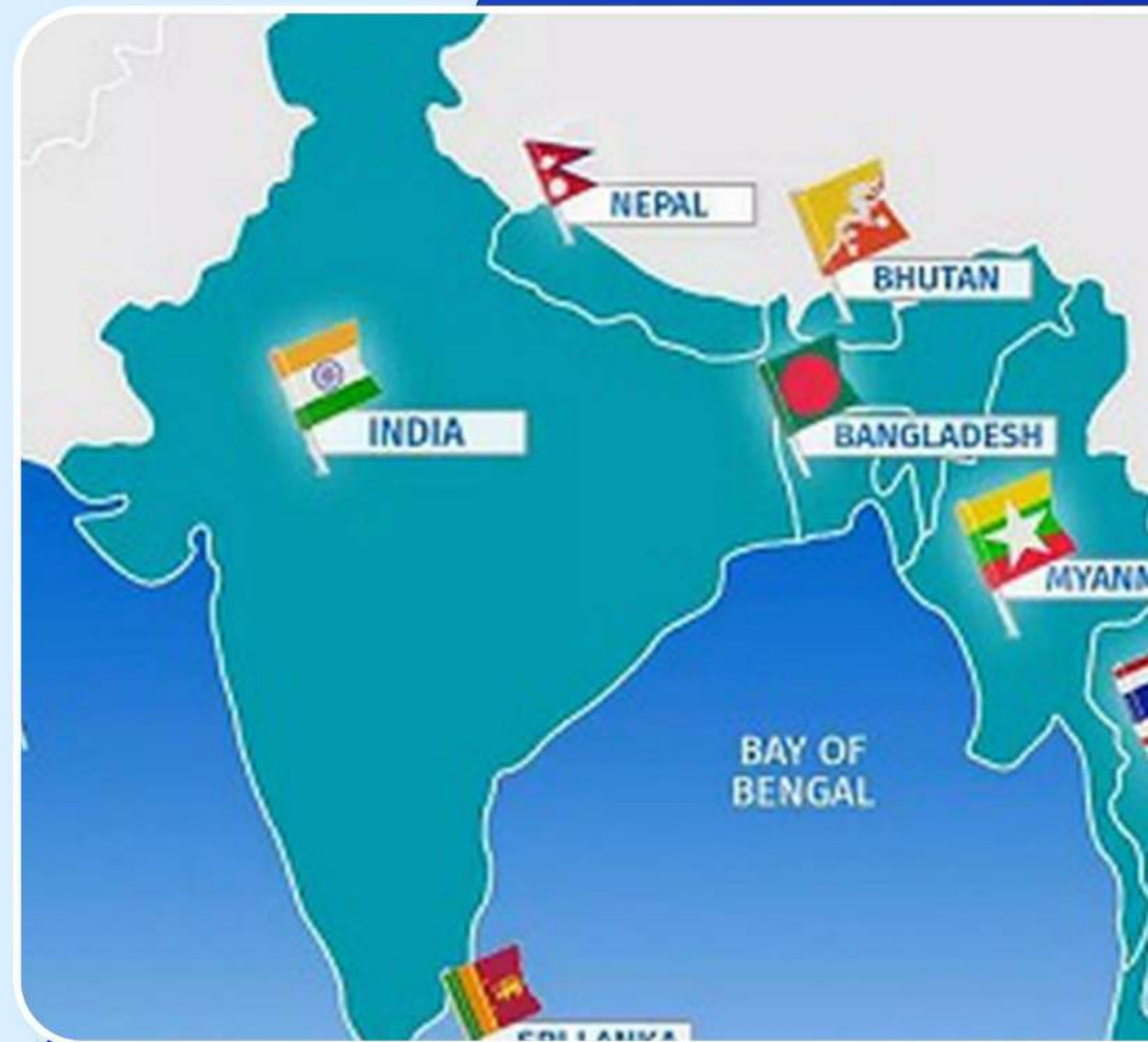
Thailand



Bhutan



Nepal



बिमस्टेक (BIMSTEC)

उद्देश्य:

- आर्थिक सहयोग: सदस्य देशों के बीच व्यापार, निवेश, परिवहन और संचार को बढ़ावा देना।
- तकनीकी सहयोग: विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना।
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान: सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना।
- क्षेत्रीय सुरक्षा: क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना।



बिम्सटेक (BIMSTEC)

महत्व:

- आर्थिक विकास: क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकता है।
- क्षेत्रीय एकीकरण: सदस्य देशों के बीच संबंधों को मजबूत कर सकता है।
- सुरक्षा सहयोग: क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है।



बिस्मटेक (BIMSTEC)

बिस्मटेक की चुनौतियाँ:

- राजनीतिक मतभेद: सदस्य देशों के बीच राजनीतिक मतभेद एक प्रमुख चुनौती है।
- आतंकवाद: क्षेत्र में आतंकवाद की बढ़ती चुनौती से निपटना।
- प्राकृतिक आपदाएँ: क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सहयोग की आवश्यकता है।



बिम्सटेक (BIMSTEC)

- बिम्सटेक एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन है जो बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालांकि, सदस्य देशों के बीच राजनीतिक मतभेद और अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: BIMSTEC युवा शिखर सम्मेलन 2025 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह सम्मेलन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है।
2. इसका उद्देश्य केवल भारतीय युवाओं को वैश्विक मंच पर नेतृत्व का अनुभव प्रदान करना है।
3. इस सम्मेलन में BIMSTEC देशों के कुल 100 युवा प्रतिनिधि भाग लेंगे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 1 और 2
- (C) केवल 1 और 3
- (D) उपर्युक्त सभी



राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की 75वीं वर्षगांठ

UPSC Syllabus Relevanace

- **UPSC Mains Paper 2**





तिथि एवं स्थान:

- ▶ 7 फरवरी 2025, विज्ञान भवन, नई दिल्ली
- ▶ आयोजक: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI), भारत सरकार





उद्देश्य:

- ▶ NSS डेटा की भूमिका को उजागर करना ✓
- ▶ डेटा आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देना ✓
- ▶ सांख्यिकीय प्रणाली में जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाना ✓



कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँ

उद्घाटन एवं स्वागत:

- ▶ श्रीमती गीता सिंह राठौर (NSS महानिदेशक) ने स्वागत भाषण दिया

प्रमुख हस्तियों का संबोधन:

- ▶ डॉ. सी. रंगराजन (पूर्व RBI गवर्नर)
- ▶ डॉ. राजीव लक्ष्मण करंदीकर (NSC अध्यक्ष)
- ▶ डॉ. एस.पी. मुखर्जी (कलकत्ता विश्वविद्यालय)

एनएसएस के 75 वर्षों की यात्रा पर वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया



मुख्य संबोधन:

- ▶ राव इंद्रजीत सिंह (राज्य मंत्री, MoSPI) ने NSS के योगदान पर प्रकाश डाला
- ▶ डेटा-संचालित नीति निर्माण की महत्ता पर जोर ✓
- ▶ नई तकनीकों के समावेश और सांख्यिकीय नवाचार की आवश्यकता को रेखांकित किया



प्रमुख वक्तव्य:

अमिताभ कांत (G20 शेरपा):

- ▶ NSS डेटा ने भारत की आर्थिक और सामाजिक नीतियों को आकार दिया
- ▶ डेटा को नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए उपकरण बनाने पर बल

अमिताभ कांत - NSS आयोग - 2015

→ योजना आयोग

अध्यक्ष - प्रधानमंत्री

भारत सरकार का चिकित्सक



प्रमुख वक्तव्य:

डॉ. सौरभ गर्ग (सचिव, MoSPI):

- ▶ विश्वसनीय आंकड़े नीति निर्माण की रीढ़
- ▶ PLFS से मासिक श्रम बाजार संकेतक जारी करने की पहल
- ▶ तेज सर्वेक्षण रिपोर्टिंग और डिजिटल तकनीकों के उपयोग पर जोर



प्रकाशन एवं सम्मान:

- ▶ NSS की 75 वर्षों की यात्रा पर दो प्रकाशनों का अनावरण
- ▶ NSO अधिकारियों को "कर्मयोगी पुरस्कार" से सम्मानित किया गया
- ▶ NSS टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया



विशेष पैनल चर्चाएँ

विषय 1: "विकसित भारत के लिए भविष्य के लिए तैयार भारतीय सांख्यिकी प्रणाली @ 2047"

▶ प्रमुख मुद्दे:

- ▶ डेटा अंतराल की चुनौतियाँ और AI/ML की भूमिका
- ▶ वास्तविक समय डेटा उत्पादन
- ▶ सार्वजनिक-निजी भागीदारी की आवश्यकता

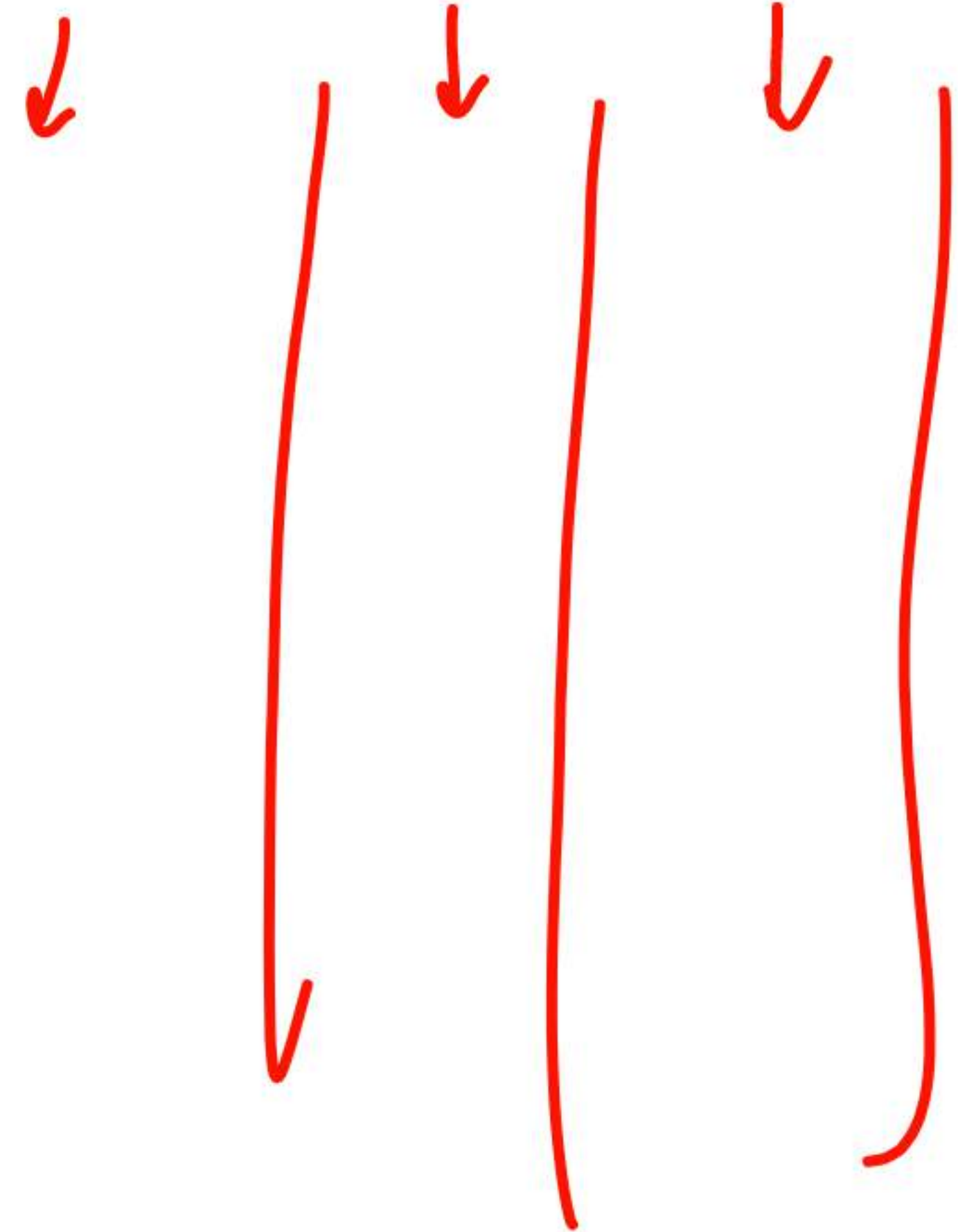


विशेष पैनल चर्चाएँ

विषय 2: "आर्थिक नीतियों को आकार देने में वैकल्पिक डेटा स्रोतों का महत्व"

▶ प्रमुख चर्चाएँ:

- ▶ नीति निर्माण में विविध डेटा स्रोतों का समावेश
- ▶ डेटा की अंतर-संचालनीयता बढ़ाने पर जोर
- ▶ NSS डेटा को अन्य वैकल्पिक स्रोतों से समृद्ध करने के सुझाव





प्रतिभागिता और समापन

1200+ प्रतिभागियों की भागीदारी ✓

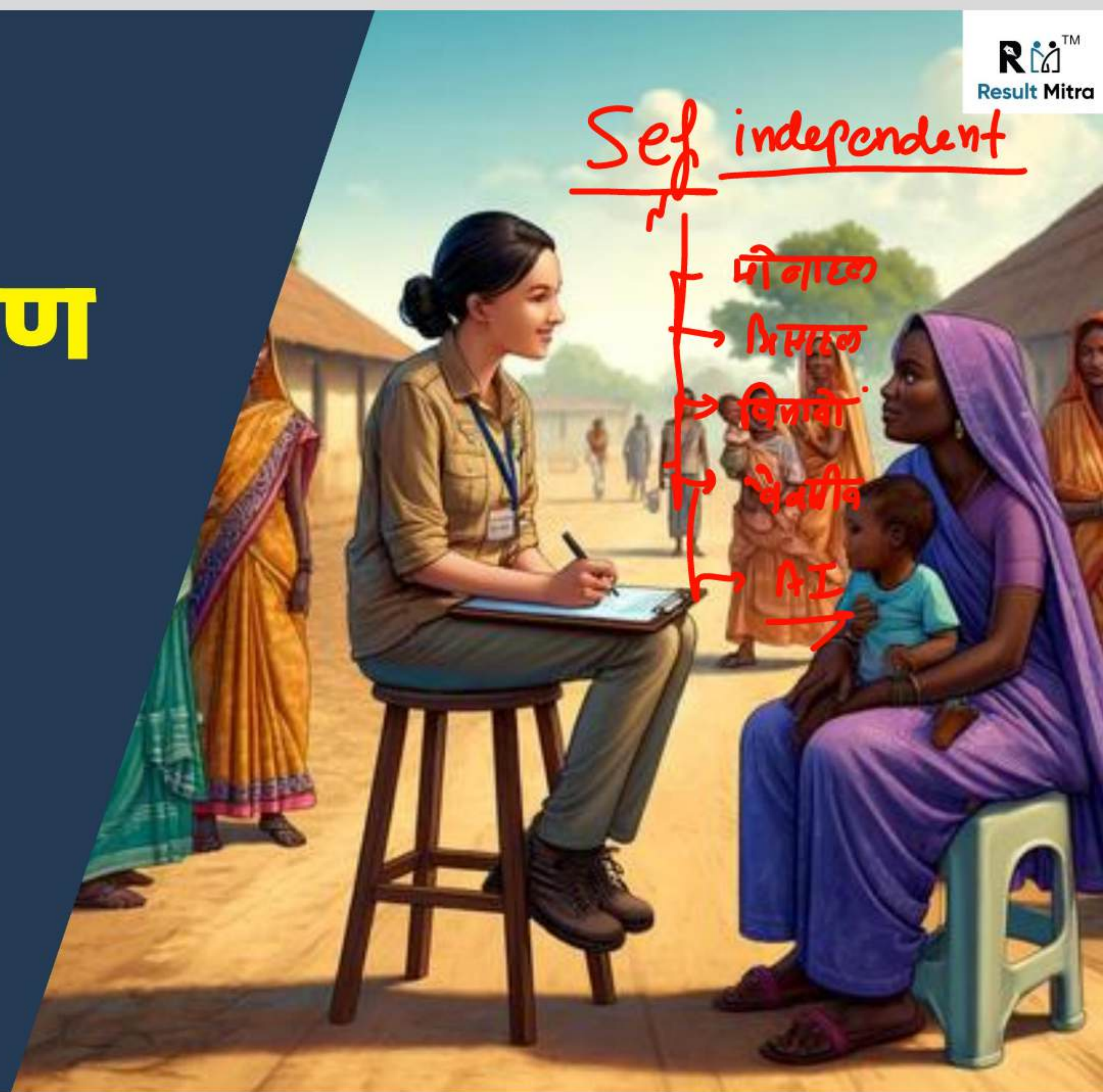
- ▶ नीति निर्माता, शोधकर्ता, राज्य DEO अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि

कार्यक्रम का मुख्य निष्कर्ष:

- ▶ NSS डेटा नीति निर्माण के लिए अपरिहार्य //
- ▶ 2047 तक विकसित भारत बनाने में NSS की महत्वपूर्ण भूमिका]

2047
↓

રાષ્ટ્રીય નમૂના સર્વેક્ષણ (NSS)



Self independent

પ્રોબાલ

પ્રિસન

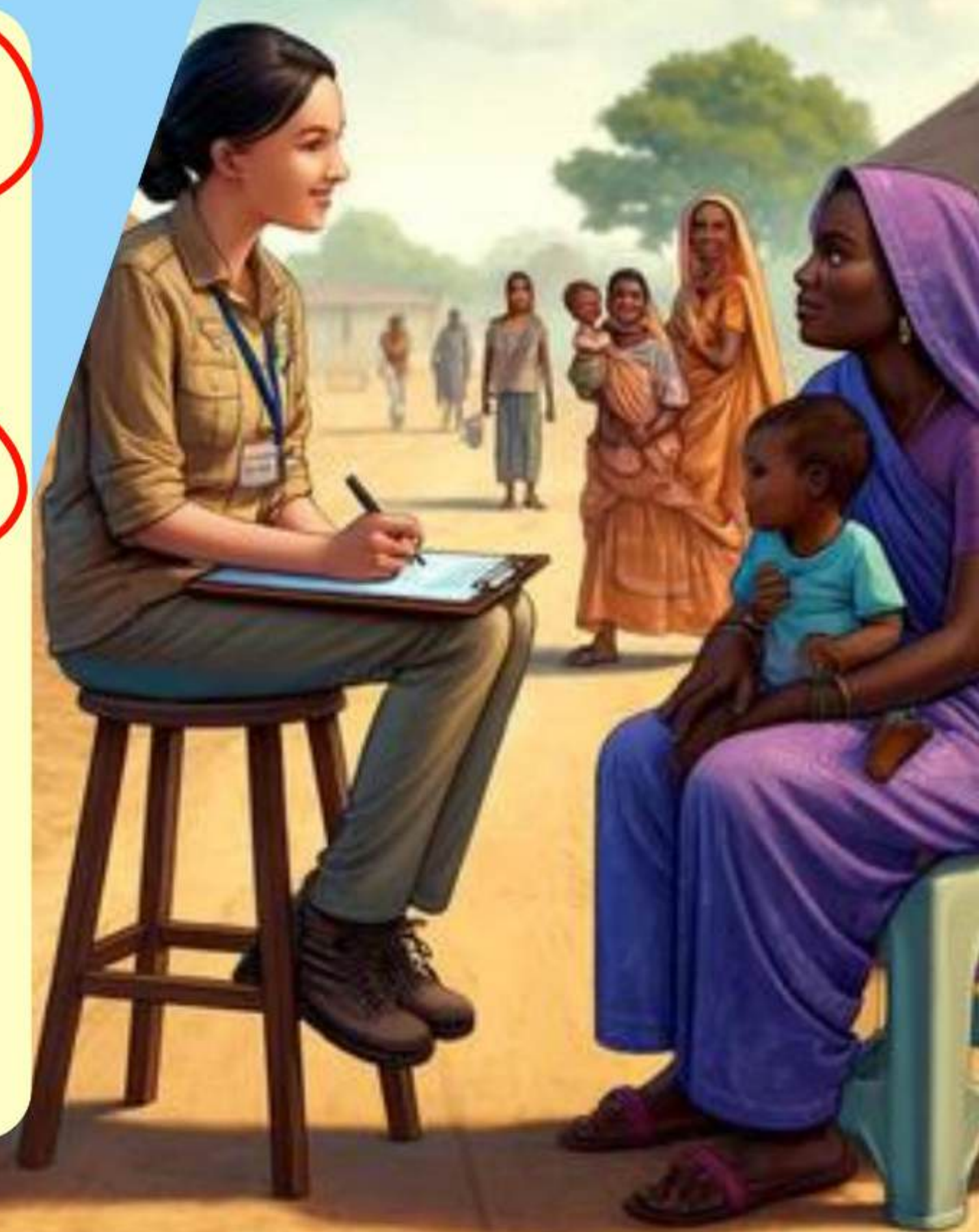
વિજ્ઞાનો

ધેનવીવ

પ્રિ

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS)

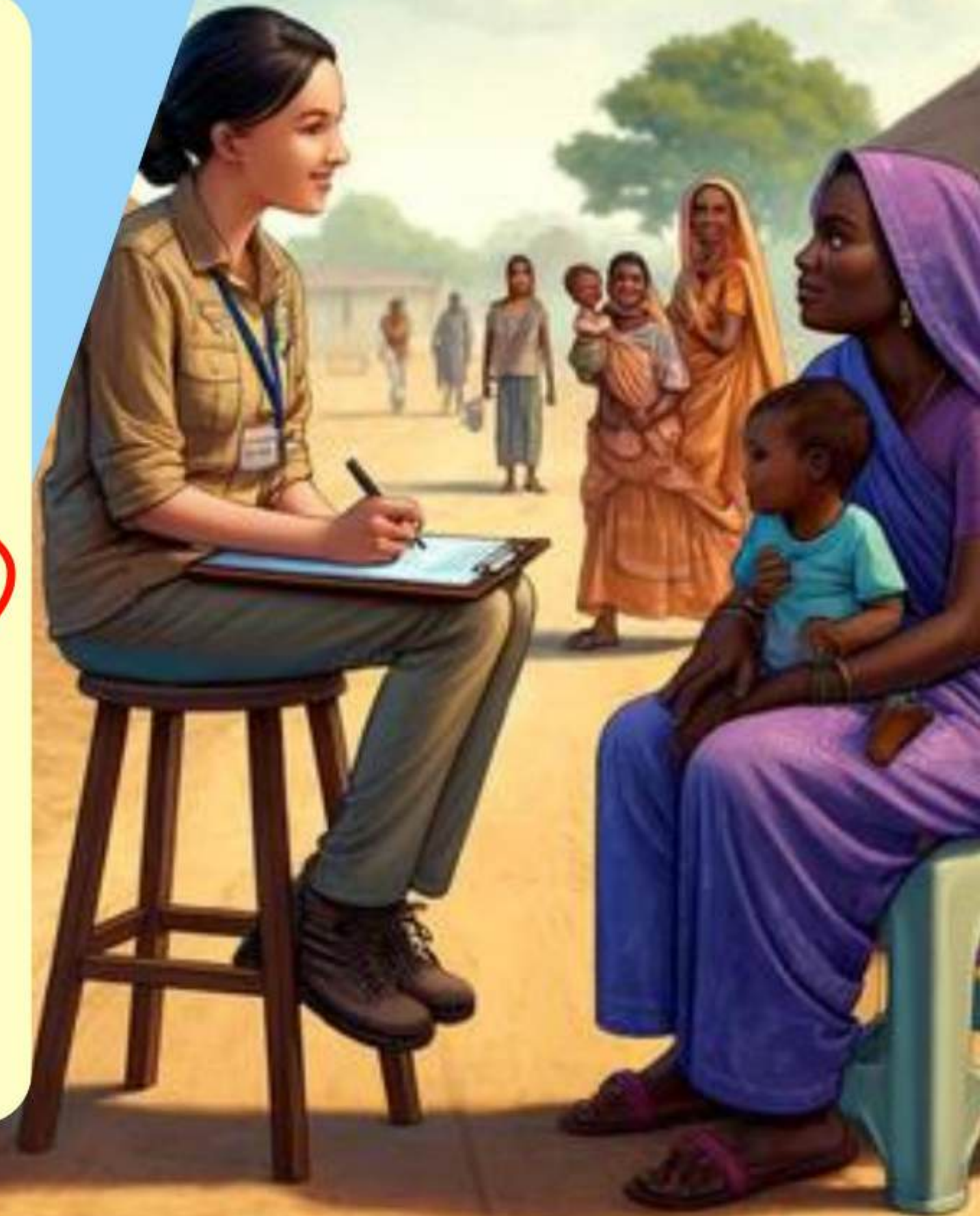
- राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) भारत सरकार का एक प्रमुख सांख्यिकीय संगठन है।
- यह देश के सामाजिक और आर्थिक पहलुओं पर नियमित रूप से सर्वेक्षण करता है और इससे प्राप्त आंकड़ों का उपयोग नीति निर्माण और योजना बनाने में किया जाता है।



राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS)

NSS का उद्देश्य

- देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन: गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसे विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संकेतकों पर डेटा एकत्र करना।
- नीति निर्माण के लिए आधार प्रदान करना: सरकार को नीतिगत निर्णय लेने के लिए आवश्यक डेटा प्रदान करना।



राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS)

NSS के कार्य

- सर्वेक्षण डिजाइन और विकास: विभिन्न विषयों पर सर्वेक्षण डिजाइन करना और विकसित करना।
- डेटा संग्रह: देश के विभिन्न हिस्सों से डेटा एकत्र करना।
- डेटा प्रसंस्करण और विश्लेषण: एकत्रित डेटा का विश्लेषण और प्रसंस्करण करना।
- प्रकाशनों का प्रकाशन: सर्वेक्षण परिणामों को प्रकाशित करना और विभिन्न हितधारकों को उपलब्ध कराना।



राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS)

NSS के द्वारा किए जाने वाले प्रमुख सर्वेक्षण

- खपत व्यय सर्वेक्षण: परिवारों के खपत व्यय पर डेटा एकत्र करना।
- कृषि सर्वेक्षण: कृषि उत्पादन, किसानों की आय और कृषि से संबंधित अन्य मुद्दों पर डेटा एकत्र करना।
- रोजगार और बेरोजगारी सर्वेक्षण: रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति पर डेटा एकत्र करना।
- सामाजिक उपभोग सर्वेक्षण: शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी सामाजिक सेवाओं पर डेटा एकत्र करना।



राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS)

NSS के महत्व

- NSS द्वारा एकत्रित डेटा भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह डेटा सरकार को नीतिगत निर्णय लेने, योजनाओं को तैयार करने और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है।



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) की 75वीं वर्षगांठ के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. NSS का आयोजन भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा किया गया।
2. NSS डेटा का उपयोग मुख्य रूप से केवल कृषि क्षेत्र में नीति निर्माण के लिए किया जाता है।
3. NSS ने 75 वर्षों की यात्रा पर विशेष प्रकाशन जारी किया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

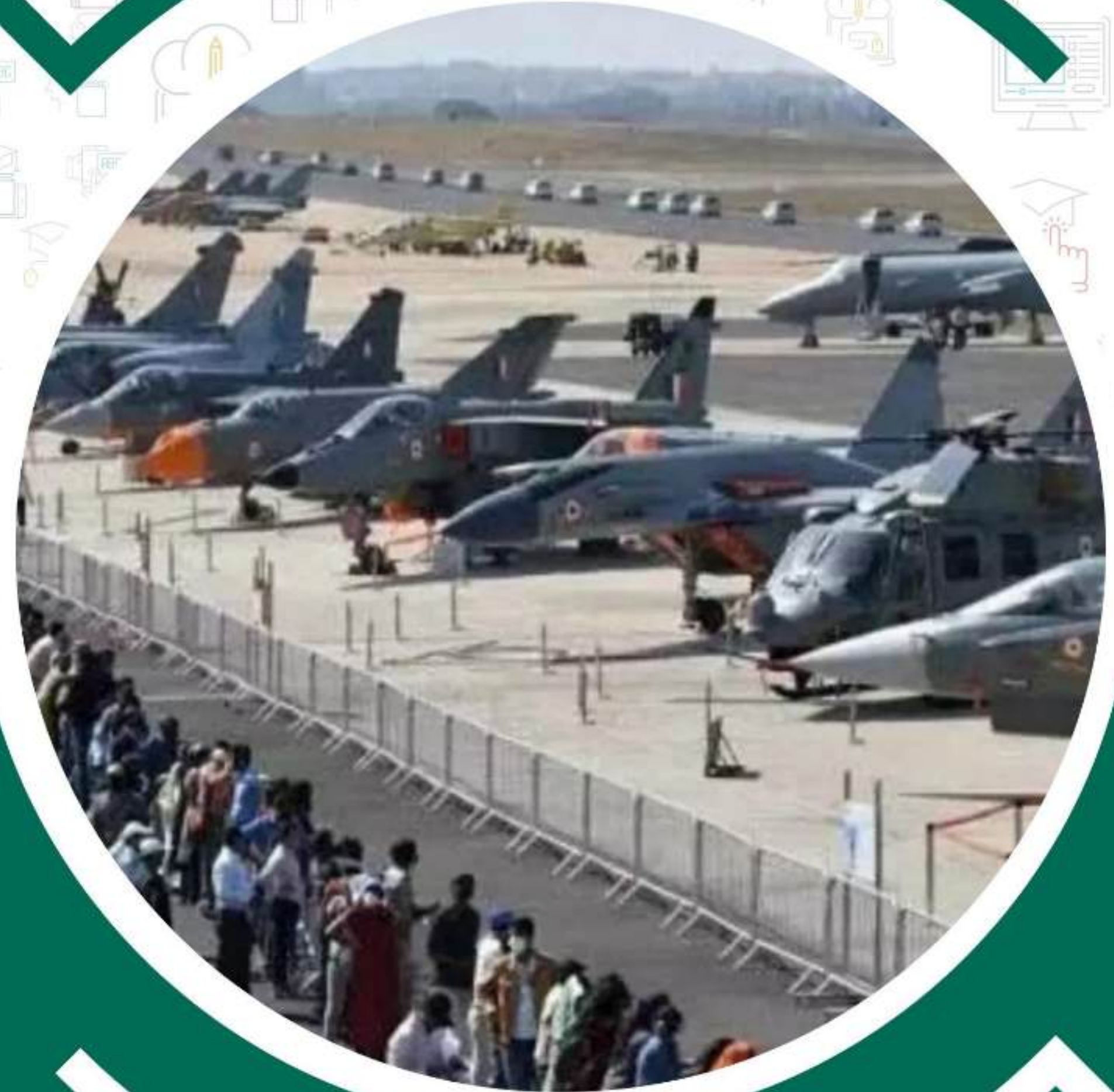
- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) उपर्युक्त सभी



एयर इंडिया 2025

UPSC Syllabus Relevanace

- **UPSC Mains Paper 3**





परिचय

- ▶ एयरो इंडिया एशिया का सबसे बड़ा एयर शो और विमानन प्रदर्शनी है।
- ▶ द्विवार्षिक आयोजन, जिसे रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग और रक्षा प्रदर्शनी संगठन बेंगलुरु में आयोजित करते हैं।
- ▶ यह वैश्विक एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी का प्रमुख मंच है।



VEBO INDIV



परिचय

- ▶ भारतीय वायु सेना (IAF) और वैश्विक एयरो विक्रेता हवाई करतब दिखाते हैं।
- ▶ उद्योग जगत, सरकारी अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और रक्षा रणनीतिकार एक मंच पर आते हैं।
- ▶ यह आयोजन तकनीकी नवाचार, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और रणनीतिक संवाद को बढ़ावा देता है।

बीच → एक अरब अवसरों का कार्गो

2025

10-14 फरवरी

थेलुंका एयरो एक्स्पोज़



एयरो इंडिया की विरासत और महत्व

- ▶ यह सिर्फ विमानन तकनीक नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदारी को भी बढ़ावा देता है।
- ▶ अत्याधुनिक तकनीक का प्रदर्शन – नवीनतम एयरोस्पेस और रक्षा प्रणालियों की प्रदर्शनी।
- ▶ रणनीतिक संवाद – नीति निर्माण, रक्षा सहयोग और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा।



एयरो इंडिया की विरासत और महत्व

- ▶ अंतरराष्ट्रीय साझेदारी – वैश्विक रक्षा एजेंसियों और कंपनियों की भागीदारी।
- ▶ इस शो ने भारत की रक्षा क्षमताओं और नवाचार को एक नई ऊंचाई दी है।



एयरो इंडिया 2025



एयर्रो इंडिया 2025

- 15वां संस्करण, 10 से 14 फरवरी 2025, बेंगलुरु, येलहंका एयर फ़ोर्स स्टेशन।
- पहले तीन दिन – व्यावसायिक प्रतिनिधियों के लिए।
- अंतिम दो दिन – आम जनता के लिए खुले होंगे।
- थीम: "एक अरब अवसरों का मार्ग"।



एयर्रो इंडिया 2025

कार्यक्रमों की झलक

- रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन – 'ब्रिज: आत्मनिर्भरता के लिए वैश्विक रक्षा सहयोग'।
- सीईओ गोलमेज सम्मेलन – वैश्विक और भारतीय उद्योगपतियों की बैठक।
- आईडेक्स स्टार्ट-अप इवेंट – भारतीय रक्षा स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा।



एयरो इंडिया 2025

कार्यक्रमों की झलक

- भारतीय मंडप – ‘मेक-इन-इंडिया’ रक्षा तकनीक और उत्पादों का प्रदर्शन।
- एरोबैटिक शो और टेक्नोलॉजी डिस्प्ले – अत्याधुनिक एयरोस्पेस प्लेटफार्म का लाइव डेमो।
- विभिन्न सेमिनार – रक्षा और एयरोस्पेस तकनीक पर चर्चा।



एयरो इंडिया 2023: एक झलक

- 13-17 फरवरी 2023, बेंगलुरु – अब तक का सबसे बड़ा संस्करण।
- 100+ देशों, 809 प्रदर्शक, 7 लाख दर्शक।
- 53 विमानों का फ्लाई पास्ट – वायु शक्ति का प्रदर्शन।
- प्रदर्शनी में वैश्विक दिग्गज कंपनियों की भागीदारी – एयरबस, बोइंग, डसॉल्ट, लॉकहीड मार्टिन, इस्राइली एयरोस्पेस, एचएएल, बीईएल, बीडीएल आदि।

Airbus
Boeing



एयरो इंडिया 2023: एक झलक

मुख्य उपलब्धियां

- तकनीकी नवाचार – विमान निर्माण और रक्षा तकनीकों का प्रदर्शन।
- रणनीतिक भागीदारी – वैश्विक रक्षा संगठनों से सहयोग समझौते।
- भारत की वैश्विक स्थिति – मेक-इन-इंडिया और रक्षा निर्यात को मजबूती।



एयर्रो इंडिया 2023: एक झलक

प्रमुख समझौते और घोषणाएं

- HAL और सफरान (फ्रांस) – हेलीकॉप्टर इंजन के संयुक्त विकास हेतु समझौता।
- BEL और ADA – उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (AMCA) के लिए सहयोग।
- BEML और DRDO – T-72/T-90 टैंकों के लिए नई तकनीक का ट्रांसफर।
- IDEX इनोवेशन हब – रक्षा स्टार्ट-अप्स को समर्थन।



एयरो इंडिया 2023: एक झलक

भविष्य की दिशा

- प्रौद्योगिकीय उन्नति – नए रक्षा सिस्टम और AI आधारित तकनीकों का विकास।
- रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता – स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा।
- आर्थिक विकास – एयरोस्पेस क्षेत्र का औद्योगिक और तकनीकी विस्तार।



एयरो इंडिया 2023: एक झलक

निष्कर्ष

- एयरो इंडिया केवल एक एयर शो नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोग और तकनीकी नवाचार का केंद्र है।
- 2025 का संस्करण, 2023 की सफलता को आगे बढ़ाने और वैश्विक एयरोस्पेस मंच पर भारत की स्थिति को और मजबूत करने के लिए तैयार है।



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: एयरो इंडिया 2025 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. एयरो इंडिया एशिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी है। ✓
2. एयरो इंडिया 2025 का आयोजन नई दिल्ली में किया जाएगा। ✓
3. इस आयोजन का एक प्रमुख उद्देश्य भारतीय एयरोस्पेस उद्योग में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 2 और 3
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 1 और 2
- (D) उपर्युक्त सभी



In vitro fertilization

IVF तकनीक ने पहली बार कंगारू का भ्रूण विकसित

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 3**

ऐं इस डोनिनी





वैज्ञानिकों ने पहली बार आईवीएफ तकनीक से कंगारु भ्रूण तैयार किया

- ▶ वैज्ञानिकों ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) तकनीक का उपयोग कर पहला कंगारु भ्रूण सफलतापूर्वक विकसित किया।
- ▶ यह तकनीक अब तक मुख्य रूप से मनुष्यों और पालतू जानवरों के लिए इस्तेमाल होती थी।





संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि

- ▶ क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने इस उपलब्धि को कंगारु प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में अहम कदम बताया।
- ▶ यह शोध Reproduction, Fertility and Development जर्नल में प्रकाशित हुआ।
- ▶ प्रमुख शोधकर्ता एंड्रेस गैम्बिनी के अनुसार, इस शोध ने मार्सुपियल प्रजनन को लेकर बहुमूल्य जानकारीयां प्रदान की हैं।



ऑस्ट्रेलिया में विलुप्त हो रही प्रजातियां

- ▶ ऑस्ट्रेलिया दुनिया में सबसे अधिक मासुपियल प्रजातियों का घर है। ✓
- ▶ लेकिन, यहां स्तनधारी जीवों के विलुप्त होने की दर भी सबसे अधिक है।
- ▶ पिछले 250 वर्षों में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 87% अनूठी स्तनपायी प्रजातियों को खो दिया है।
- ▶ 2022 के अध्ययन के मुताबिक, उपनिवेशीकरण के बाद से 38 देशी स्तनधारी प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और 52 गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं।



प्रयोग और तकनीक

- ▶ शोधकर्ताओं ने पूर्वी ग्रे कंगारु को अध्ययन के लिए मॉडल प्रजाति के रूप में चुना।
- ▶ प्रयोगशाला में अंडे और शुक्राणु विकसित किए गए।
- ▶ इंट्रासाइटोप्लाजमिक शुक्राणु इंजेक्शन (ICSI) तकनीक का उपयोग किया गया, जिसमें एक शुक्राणु को सीधे परिपक्व अंडे में इंजेक्ट किया जाता है।
- ▶ इस प्रक्रिया से 28 भ्रूण सफलतापूर्वक विकसित किए गए।



भविष्य की योजनाएं

- ▶ वैज्ञानिक कोआला, तस्मानियाई डेविल, बालों वाले वॉम्बैट और लीडबीटर के पोसम जैसी संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
- ▶ लक्ष्य: मार्सुपियल अंडे और शुक्राणु को इकट्ठा करने, संरक्षित करने और IVF तकनीक को और परिष्कृत करना।
- ▶ उम्मीद है कि अगले दस वर्षों में मार्सुपियल का जन्म IVF से संभव हो सकेगा।



IVF तकनीक ने पहली बार कंगारु का भ्रूण विकसित

अन्य प्रजातियों में IVF का उपयोग

- ▶ IVF तकनीक पहले भी लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में कारगर रही है।
- ▶ 2024 में केन्या के वैज्ञानिकों ने पहली बार IVF से गैंडे की गर्भावस्था को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।



IVF तकनीक ने पहली बार कंगारु का भ्रूण विकसित

IVF क्या है?

- ▶ IVF, जिसे हिंदी में "परखनली निषेचन" या "इन विट्रो फर्टिलाइजेशन" भी कहा जाता है, एक सहायक प्रजनन तकनीक है जिसका उपयोग उन जोड़ों द्वारा किया जाता है जो प्राकृतिक रूप से गर्भवती होने में असमर्थ होते हैं।





IVF की प्रक्रिया

1. अंडाणु प्राप्ति (Egg Retrieval): ✓

- ▶ महिला को अंडाशय को उत्तेजित करने के लिए हार्मोन थेरेपी दी जाती है।
- ▶ अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शन के तहत, अंडाशय से अंडे को निकाला जाता है।



IVF की प्रक्रिया

4. **भ्रूण का विकास (Embryo Development):** ✓
 - ▶ निषेचित अंडे (भ्रूण) को कुछ दिनों के लिए प्रयोगशाला में विकसित होने दिया जाता है।
5. **भ्रूण का स्थानांतरण (Embryo Transfer):**
 - ▶ एक पतली ट्यूब का उपयोग करके, चिकित्सक गर्भाशय में भ्रूण को स्थानांतरित करता है।
6. **गर्भावस्था परीक्षण (Pregnancy Test):**
 - ▶ भ्रूण स्थानांतरण के कुछ सप्ताह बाद, गर्भावस्था परीक्षण किया जाता है।



IVF की प्रक्रिया

- ▶ IVF एक जटिल प्रक्रिया है और इसमें कई चरण शामिल हैं। सफलता की दर कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि महिला की उम्र, अंडाशय का रिजर्व, शुक्राणु की गुणवत्ता और अन्य चिकित्सा स्थितियां।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: कंगारू के पहले IVF भ्रूण के विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह प्रयोग ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया।
2. IVF तकनीक का उपयोग मुख्य रूप से केवल मनुष्यों में किया जाता है, और इससे पहले इसे किसी अन्य जानवर में लागू नहीं किया गया था।
3. वैज्ञानिकों का लक्ष्य संकटग्रस्त मासुपियल प्रजातियों के संरक्षण के लिए इस तकनीक का उपयोग करना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 3
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 2
- (D) उपर्युक्त सभी



केंद्रीय कैबिनेट ने नए Income Tax बिल को मंजूरी दी

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 3**





नई इनकम टैक्स बिल को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

- ▶ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 7 फरवरी को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में नए आयकर विधेयक (Income Tax Bill) को मंजूरी मिली।
- ▶ PTI रिपोर्ट के अनुसार, यह बिल अगले सप्ताह संसद में पेश किया जाएगा।
- ▶ बिल को संसद की वित्त स्थायी समिति (Parliament's Standing Committee on Finance) के पास भेजा जाएगा।

Prick trust of India





टैक्स सिस्टम में बड़े सुधार

- ▶ नया इनकम टैक्स बिल मौजूदा टैक्स सिस्टम को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से लाया गया है।
- ▶ यह देश के कर ढांचे में व्यापक सुधार का हिस्सा होगा।



₹12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में घोषणा की:

- ▶ अब ₹12 लाख तक की वार्षिक आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं लगेगा।
- ▶ ₹60,000 की छूट (Rebate) के बाद टैक्स लायबिलिटी शून्य होगी।
- ▶ ₹12 लाख से अधिक की आय पर टैक्स लागू होगा।



नया इनकम टैक्स बिल कब लागू होगा?

बजट 2025 के अनुसार:

- ▶ वित्तीय वर्ष 2025-26 से नया कानून लागू।
- ▶ आकलन वर्ष (Assessment Year) 2026-27 से प्रभावी।



नए बिल की जरूरत क्यों?

- ▶ पिछले 64 वर्षों में आयकर अधिनियम में कई बदलाव हुए।
- ▶ टैक्स दरों में संशोधन, नई छूट और प्रावधान जोड़े गए।
- ▶ टैक्सपेयर्स और विशेषज्ञों की लंबे समय से मांग थी कि कर कानून को अधिक स्पष्ट और समग्र बनाया जाए।



वित्त मंत्री का बयान: नया बिल न्याय की भावना को बढ़ाएगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा:

- ▶ यह बिल 'न्याय' की भावना को आगे बढ़ाएगा।
- ▶ यह भारतीय न्याय संहिता की तर्ज पर पारदर्शी और आधुनिक कर ढांचा प्रस्तुत करेगा।



वित्त मंत्री का बयान: नया बिल न्याय की भावना को बढ़ाएगा

संसद में बजट सत्र का शेड्यूल

- ▶ पहला चरण: 31 जनवरी - 13 फरवरी
- ▶ दूसरा चरण: 10 मार्च - 4 अप्रैल
- ▶ नए इनकम टैक्स बिल पर संसद में चर्चा होगी और इसे पारित किया जाएगा।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: नए इनकम टैक्स बिल 2025 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इस बिल को केंद्रीय कैबिनेट ने 7 फरवरी 2025 को मंजूरी दी।
2. यह बिल अगले सप्ताह संसद में पेश किया जाएगा और वित्तीय वर्ष 2025-26 से प्रभावी होगा।
3. बजट 2025 में घोषित अनुसार, ₹15 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) उपर्युक्त सभी



Thank You

